उत्तर प्रदेश उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज

पाठ्यक्रम (SYLLABUS)

संगीत (सितार)
(विषय कोड–26)

1. पारिभाषिक शब्दावली :

नाद, श्रुति, स्वर, ग्राम–मूर्छना, जाति, राग, ताल, तान, गमक, गांधर्व–गान, मार्ग–देशी, गीति, गान, वर्ण, अलंकार, स्वर–सप्तक, स्वर–अन्तराल, सुसंवाद, विसंवाद, उपस्वर, पाश्चात्य एवं कर्नाटक पारिभाषिक शब्दावली एवं उनका वर्णन। अल्पत्व–बहुत्व, आविर्भाव–तिरोभाव, कृति, वर्णम, काउन्टर पाइन्ट, सोनाटा, मींड, खटका, मुर्की, सूत, गत, जोड़, झाला, बाज, रूपकालाप, रागालाप, स्वस्थाननियम क्लैफ, की सिग्नेचर, आश्रय राग, सन्धि प्रकाश राग, अध्वदर्शक स्वर, तान–तोड़ा आदि।

2. प्रयोगात्मक शास्त्र :

रागों का विस्तृत एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन, रागों का वर्गीकरण ग्राम–राग वर्गीकरण, मेल–राग वर्गीकरण, राग–रागिनी वर्गीकरण, थाट–राग वर्गीकरण एवं रागांग वर्गीकरण, रागों का समय–सिद्धान्त, उत्तर भारतीय संगीत में मेलोडी एवं हार्मनी का प्रयोग, प्राचीन, मध्य तथा आधुनिक काल में श्रुतियों पर शुद्व–विकृत स्वरों का स्थापन।

ताल के दस प्राण, हिन्दुस्तानी और कर्नाटक पद्धति में स्वर, राग एवं ताल का तुलनात्मक अध्ययन, राग लक्षण, व्यंकटमखी के 72 मेल, पं0 भातखंडे के 10 थाटों का अध्ययन।

3. गेय विधाएं तथा उनका क्रमिक विकास :

प्रबन्ध, ध्रुपद, ख्याल, धमार, ठुमरी, तराना, कजरी, मसीतखानी, रजाखानी गत, फिरोजखानी गत

4. घराना और बाज :

हिन्दुस्तानी संगीत में घराना का उद्गम और विकास। पारम्परिक हिन्दुस्तानी संगीत की प्रगति तथा संरक्षण में घरानों का योगदान। घराना पद्धति के गुण–दोष।

तंत्र वादन के प्रमुख घरानों का अध्ययन। सितार वादन शैली में गायकी और तंत्र अंग का आपसी सम्बंध, विभिन्न घरानों के सितार वादन शैली की प्रमुख विशेषताएं, वाद्य की बनावट एवं वादन सामग्री।

5. भारतीय संगीत के शास्त्रज्ञों का योगदान एवं उनकी शास्त्रात्मक परम्परा :

नारद, भरत, दत्तिल, मतंग, शारंगदेव, रामामात्य, पुंडरीक विट्ठल, सोमनाथ, अहोबल, व्यंकटमखी, श्रीनिवास, पं0 भातखण्डे।

जीवनी एवं योगदान : इमदाद खां, उस्ताद अलाउद्दीन खां, पं0 निखिल बनर्जी, पं0 रवि शंकर, उ0 इनायत खाँ, पं0 मणि लाल नाग, उ0 विलायत खाँ, पं. मणिलाल नाग, उ0 अब्दुल हलीम जाफर खाँ, डॉ0 ठाकुर जयदेव सिंह, डॉ0 प्रेमलता शर्मा, श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

6. सौन्दर्यशास्त्र :

सौंदर्य तथा रस सिद्वान्त एवं भारतीय संगीत में इसका प्रयोग।

हिन्दुस्तानी संगीत (कंठ एवं वादन) का सांगीतिक सौन्दर्य शास्त्र तथा रस से सम्बन्ध।

SARKARIRESULT.COM

7. **वाद्य :**

हिन्दुस्तानी संगीत में प्रयुक्त होने वाले वाद्य (तंत्र एवं सुषिर) उनकी उत्पत्ति, विकास तथा सुप्रसिद्व कलाकार।

हिन्दुस्तानी संगीत के वाद्यों का वर्गीकरण।

पाश्चात्य वाद्य– क्लारिनेट, चेलो, पियानो, मैंडोलियन, तंत्र– सितार, सरोद, दिलरूबा, सुरबहार, रूद्रवीणा, संतूर, गिटार, तानपूरा, वायलिन

सुषिर– बाँसुरी, शहनाई

8. **लोक संगीत :**

उत्तर भारतीय संगीत पर लोक संगीत का प्रभाव। उत्तर प्रदेश के कुछ प्रमुख लोक गीत शैली एवं लोक वाद्यों का अध्ययन।

9. **संगीत शिक्षण एवं शोध तकनीक :**

संगीत शिक्षण के संदर्भ में इलेक्ट्रानिक यंत्रों एवं शिक्षण में प्रयुक्त की जाने वाली सहायक सामग्री की प्रयोगात्मकता।

संगीतात्मक शोध के अर्न्तगत संक्षेपिका, सामग्री संकलन, क्षेत्रीय कार्य, प्रोजेक्ट रिपोर्ट लेखन, संदर्भ ग्रन्थ सूची, संदर्भ सामग्री आदि से सम्बन्धित शोध विधियां अथवा शोध प्रविधि।

10. **निम्न रागों का विस्तृत अध्ययन, आविर्भाव, तिरोभाव तथा अल्पत्व–बहुत्व सहित :**

भैरव, यमन, भैरवी, खमाज, बिहाग, अहीर भैरव, नट भैरव, पूरिया, मारवा, सोहनी, बसन्त, परज, जोग, मारूबिहाग, पूरिया कल्याण, तोड़ी, मुलतानी, दरबारी, अड़ाना, मियां मल्हार, बहार, जौनपुरी, भीमपलासी, आसावरी, मधुवन्ती, पटदीप काफी पूर्वी, बिलावल, अल्हैया विलावल, गुर्जरी तोड़ी, बिलासखानी तोड़ी।

SARKARIRESULT.COM

U. P. HIGHER EDUCATION SERVICES COMMISSION, PRAYAGRAJ

Syllabus

MUSIC (SITAR)

(Subject Code-26)

1. Technical-Terminology

Nada, Shruti, Swara, Gram – Moorchana, Jati, Raga, Tala, Tan, Gamak, Gandharva – Gaan, Marga – Deshi, Giti, Gaan, Varna, Alankar, Melody, Harmony, Musical Scales, Musical intervals, Consonance – Dissonance. Western and South Indian terminology, Alpatwa Bhutwa, Abirbhav, Tirobhav, Kriti, Varnam etc.

Meend, Khatka, Murki, Soot, Gat, Jod, Jhala, Roopkalap. Ragalap, Swasthanniyam, Claf, Key Signature, Aashray Rag, Sandhiprakash Rag, Addhwadarshak Swar, Tan, Toda

2. Applied theory

Detailed and critical study of classification of Ragas, i.e., Grama Raga vargikaran, Mela Raga Vargikaran, Raga – Ragini Vargikaran, Thata Raga Vargikaran, and Raganga Vargikaran, Time – theory of Ragas, Use of Harmony melody in north Indian Music, Placement of Shuddha and Vikrit Swaras on Shruties in ancient, medieval and modern period. Ten Prans of Taal. Comparative study of Swar, Raag and Taal in Hindustani and Karnatak system.

Rag Lakshan, 72 Mela of Pt. Vayanketmakahi, Ten Thats of Pt. Bhatkhande

SARKARIRESULT.COM

3. Compositional Forms and their description

Prabandha, Dhrupad, Khyal, Dhamar, Thumri and Tarana, Kajri, Maseetkhani, Razakhani gats, Firojkhani Gat

4. Gharanas and Baj

Origin and Development of Gharanas in Hindustani Music and their contribution in reserving and promoting traditional Hindustani Classical Music. Merits and demerits of Gharana System.

Origin and Development of Gharanas in Instrumental music sitar.

Relation between Gayaki and Tantra ang of Sitar playing style.

Specialties of playing style of different Gharana, Structure of Sitar and playing components of different Gharana

5. Contribution of Scholars to Indian Music and their textual tradition

Narad, Bharat, Dattil, Matanga, Sharangadeva, Ramamatya, Pundarik Vitthal, Somnath, Ahobal, Vynkatmakhi, Sriniwas, Pt. Bhatkhande.

Life sketch and contribution of the following, Imdad Kahn, Ustad Allauddin Khan, Pt. Nikhil Banerjee. Pt. Ravi Shanker, Ustd. Vilayat Khan, Pt. Manilal Nag, Ustd. Abdul Haleem Jafer Khan, Dr. Thakur Jaidev Singh, Dr. Premlata Sharma, Smt. Annpurna Devi

6. Aesthetics

Aesthetics and Rasa theory and its application to Indian Music.

Relationship of Musical aesthetics and Rasa to Hindustani Music (Vocal and Instrumental).

7. Instruments

Origin, evolution, structure of various instruments (Tantra and Sushir) and their well – known exponents of Hindustani Music.

Classification of Instruments in Hindustani Music.

Western Instruments Clarionet Chello Piano Mandolian

String Instruments - Sitar, Sarod, Dilruba, Sur Bahar, Rudra Veena, Santoor, Guitar, Tanpura, Violin
Wind Instruments (Sushir Vaddhya) – Flute, Shehany

8. **Folk Music**
Influence of folk music on North Indian Classical Music. Study of main Folk Vocal style and Folk Instrument of U.P.

9. **Music Teaching and Research Technologies**
The methodologies of music research, preparing synopsis, data collection, field work, writing project reports, finding bibliography, reference material etc. utility of teaching aids like electronic Instruments in Music Education.

10. **Detailed study of the following Ragas** with Avirbhav-Tirobhav, Alpatva-Bahutva etc. Bhairav, yaman, Bhairvi, Khamaj, Bihag, Ahir Bhairav, Nat Bhairav, Pooriya, Marwa, Sohani, Basant, Paraj, Jog, Maroo Bihag, Pooriya Kalyan, Todi, Multani, Darbari, Adana, Miyan Malhar, Bahar, Jaunpuri, Bhimpalasi, Asavari, Madhuwanti, Patdeep, Kafi, Poorvi, Bilawal, Alaihya Bilawal, Gurzari Todi, Bilas Khani Todi.

SARKARIRESULT.COM